# इक राम का नाम ही बन्दे, संग तुम्हारे जायेगा

इक राम का नाम ही बन्दे, संग तुम्हारे जायेगा:-

इक राम का नाम ही बन्दे,
संग तुम्हारे जायेगा,
इस धरा का इस धरा पे,
सब धरा रह जायेगा,
इक राम का नाम ही--------।।

झूठे बंधन झूठे रिश्ते,
माया मोह की नगरी में,
साँस टूटी और रिश्ता टूटा,
कोई काम न आयेगा,
इक राम का नाम ही---------।।

पंचतत्व की कंचन काया,
मिट्टी ही होनी है इकदिन,
मुट्ठी बांधे आया जग में,
हाँथ पसारे जायेगा,
इक राम का नाम ही----------।।

राम नाम कलिकाल कल्पतरु,
भर ले झोली सुमिरन से,
चार लाखि चौरासी भव से,
बस सुमिरन पार लगायेगा,
इक राम का नाम ही--------।।

रचना आभार: ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17402/title/Ik-Ram-Ka-Naam-Hi-Bande--Sang-Tumhare-Jayega

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |